गदरपुर में अनुसूचित जाति की कृषक महिलाओं हेतु एससीएसपी के अंतर्गत क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–कृषिरत् महिलाएं गो0ब0पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा आईसीएआर–केंद्रीय महिला कृषि संस्थान भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में गदरपुर के गुमछईया एवं अलकदेवी गाँवों की 30 कृषक महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन दिनांक 03.02.2026 को श्रीमती सुमन देव, शाखा प्रबंधक, ऊधम सिंह नगर जिला सहकारी बैंक, गदरपुर तथा श्री दिनेश कुमार, शाखा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, दिनेशपुर द्वारा प्रधानमंत्री पेंशन योजना, अटल बीमा योजना, स्वयं सहायता समूह ऋण तथा दीनदयाल योजना सहित विभिन्न बैंकिंग एवं कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही धूप निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सुन्दरम स्वयं सहायता समूह, जवाहर नगर की सचिव श्रीमती राधा पाण्डे जो की धूप बनाने की विधि में अनुभवी प्रशिक्षक हैं, उन्होने गुग्गल, लौंग, गाय का गोबर, लकड़ी का बुरादा, सुखे फूलों आदि के द्वारा धूप निर्माण की सतत् तकनीक एवं कम लागत वाली उत्पादन विधियों से प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के दुसरे दिन दिनांक 04.02.2026 को कुमारी निखत, समन्वयक ग्रामीण उद्यम संवर्धन परियोजना तथा श्रीमती राधा बठला, क्षेत्र समन्वयक, एनआरएलएम, गदरपुर द्वारा रीप तथा एनआरएलएम के अंतर्गत उपलब्ध योजनाओं एवं अवसरों के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया। इसके उपरान्त डॉ0 मनीषा गहलौत, वैज्ञानिक, गो0ब0पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा हर्बल होली गुलाल निर्माण पर प्रशिक्षण दिया जिसमें पर्यावरण अनुकूल एवं आयवर्धक उत्पादन विधियों पर विशेष ध्यान दिया गया।

कार्यक्रम के अन्त में ग्राम प्रधान श्री मनोज कुमार, ग्राम अलकदेवी एवं श्रीमती सपना देवी, ग्राम गुमछईया की उपस्थिति में 30 प्रतिभागी कृषक महिलाओं को कृषि उपकरण जैसे स्प्रेयर पंप, गार्डन रेक, खुरपी, हारवेस्टिंग बैग, स्टील बाल्टी, प्लास्टिक क्रेट, वाटर पाईप, अजोला बेड आदि वितरित किये गये। जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग की कृषक महिलाओं के लिए आजिविका के अवसरों में वृद्धि करना और उनका कौशल विकास करना था।

इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ0 मनीषा गहलौत, इकाई समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना –कृषिरत् महिलाएं द्वारा उनकी शोध टीम डॉ0 बीनू सिंह, डॉ0 कल्पलता पंत एवं ज्योति भंडारी के सहयोग तथा दोनों गाँव के ग्राम प्रधानों के सक्रिय समर्थन से सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषक महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन था।